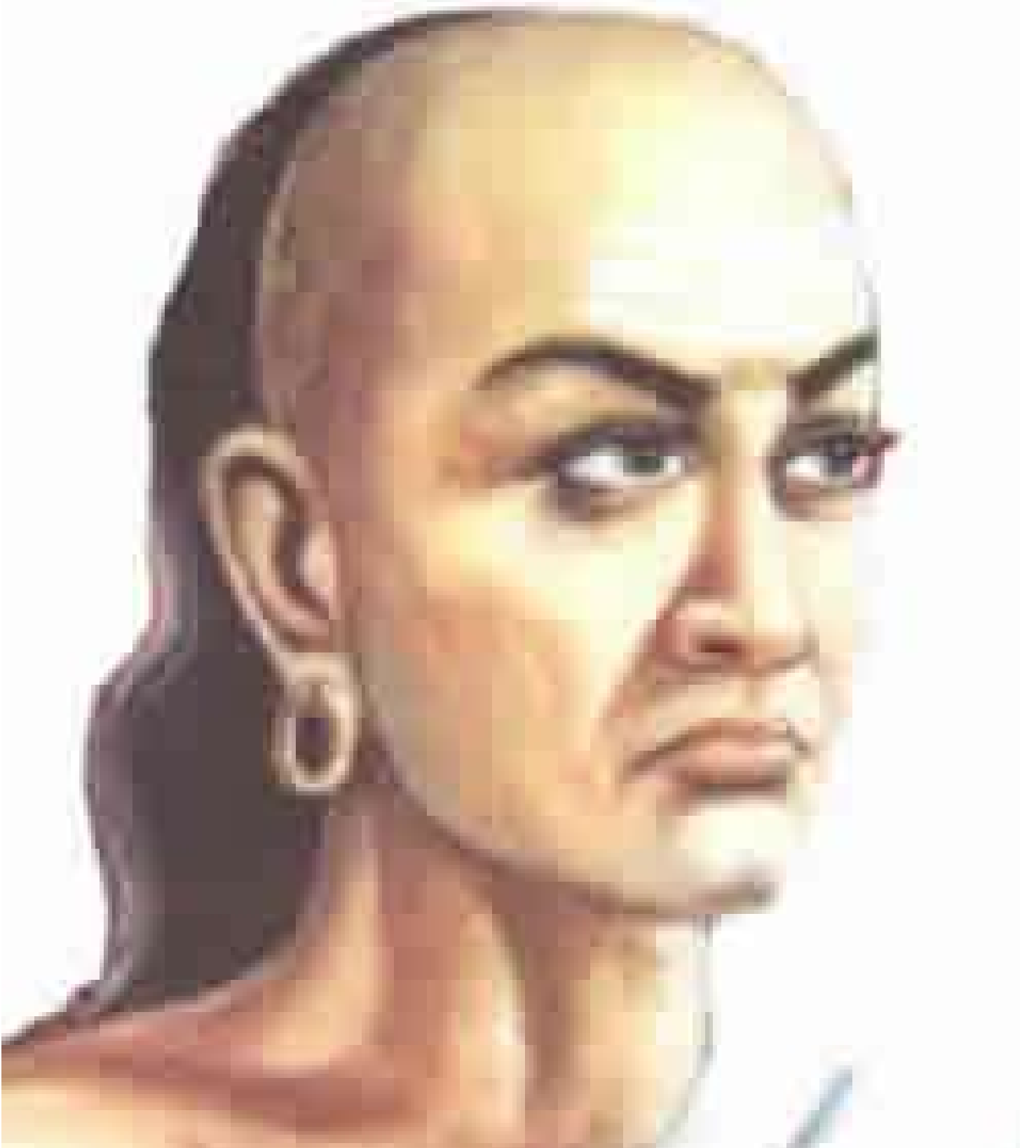


हिंदी साहित्य मार्गदर्शन

TRANSFORMING LIVES



Acharya Chanakya Neeti || Kautilya Niti In Hindi



चाणक्य नीति [हिंदी में] : चौदहवां अध्याय | Chanakya Neeti [In Hindi]:Fourteenth Chapter

👤 Nisheeth Ranjan 📅 9:20 PM 💬 1 comments

चाणक्य नीति : चौदहवां अध्याय | Chanakya Neeti In Hindi : Fourteenth Chapter

गरीबी, दुःख और एक बंदी का जीवन यह सब व्यक्ति के किए हुए पापों का ही फल है।

Poverty, disease, sorrow, imprisonment and other evils are the fruits borne by the tree of one's own sins.

आप दौलत, मित्र, पत्नी और राज्य गवाकर वापस पा सकते हैं लेकिन यदि आप अपनी काया गवा देते हैं तो वापस नहीं मिलेगी।

Wealth, a friend, a wife, and a kingdom may be regained; but this body when lost may never be acquired again.

यदि हम बड़ी संख्या में एकत्र हो जाएं तो दुश्मन को हरा सकते हैं। उसी प्रकार जैसे घास के तिनके एक दुसरे के साथ रहने के कारण भारी बारिश में भी क्षय नहीं होते।

The enemy can be overcome by the union of large numbers, just as grass through its collectiveness wards off erosion caused by heavy rainfall.

पानी पर तेल, एक कमीने आदमी को बताया हुआ राज, एक लायक व्यक्ति को दिया हुआ दान और एक बुद्धिमान व्यक्ति को पढ़ाया हुआ शास्त्रों का ज्ञान अपने स्वभाव के कारण तेजी से फैलते हैं।

Oil on water, a secret communicated to a base man, a gift given to a worthy receiver, and scriptural instruction given to an intelligent man spread out by virtue of their nature.

वह व्यक्ति क्यों मुक्ति को नहीं पायेगा जो निम्न लिखित परिस्थितियों में जो उसके मन की अवस्था होती है उसे कायम रखता है...

जब वह धर्म के अनुदेश को सुनता है.

जब वह स्मशान घाट में होता है.

जब वह बीमार होता है.

If men should always retain the state of mind they experience when hearing religious instruction, when present at a crematorium ground, and when in sickness -- then who could not attain liberation.

वह व्यक्ति क्यों पूर्णता नहीं हासिल करेगा जो पश्चाताप में जो मन की अवस्था होती है, उसी अवस्था को काम करते वक्त बनाए रखेगा.

If a man should feel before, as he feels after, repentance -- then who would not attain perfection?

हमें अभिमान नहीं होना चाहिए जब हम ये बातें करते हैं..

१. परोपकार २. आत्म संयम ३. पराक्रम ४. शास्त्र का ज्ञान हासिल करना. ५. विनम्रता ६. नीतिमत्ता

यह करते वक्त अभिमान करने की इसलिए जरूरत नहीं क्यों की दुनिया बहुत कम दिखाई देने वाले दुर्लभ रत्नों से भरी पड़ी है.

We should not feel pride in our charity, austerity, valour, scriptural knowledge, modesty and morality for the world is full of the rarest gems.

वह जो हमारे मन में रहता हमारे निकट है. हो सकता है की वास्तव में वह हमसे बहुत दूर हो. लेकिन वह व्यक्ति जो हमारे निकट है लेकिन हमारे मन में नहीं है वह हमसे बहोत दूर है.

He who lives in our mind is near though he may actually be far away; but he who is not in our heart is far though he may really be nearby.

यदि हम किसीसे कुछ पाना चाहते हैं तो उससे ऐसे शब्द बोले जिससे वह प्रसन्न हो जाए. उसी प्रकार जैसे एक शिकारी मधुर गीत गाता है जब वह हिरन पर बाण चलाना चाहता है.

We should always speak what would please the man of whom we expect a favour, like the hunter who sings sweetly when he desires to shoot a deer.

जो व्यक्ति राजा से, अग्नि से, धर्म गुरु से और स्त्री से बहुत परिचय बढ़ाता है वह विनाश को प्राप्त होता है. जो व्यक्ति इनसे पूर्ण रूप से अलिप्त रहता है, उसे अपना भला करने का कोई अवसर नहीं मिलता. इसलिए इनसे सुरक्षित अंतर रखकर सम्बन्ध रखना चाहिए.

It is ruinous to be familiar with the king, fire, the religious preceptor, and a woman. To be altogether indifferent of them is to be deprived of the opportunity to benefit ourselves, hence our association with them must be from a safe distance.

हम इनके साथ बहुत सावधानी से पेश आये..

१. अग्नि २. पानी ३. औरत ४. मुख ५. साप ६. राज परिवार के सदस्य.

जब जब हम इनके संपर्क में आते हैं.

क्योंकि ये हमें एक झटके में मौत तक पहुंचा सकते हैं.

We should always deal cautiously with fire, water, women, foolish people, serpents, and members of a royal family; for they may, when the occasion presents itself, at once bring about our death.

वही व्यक्ति जीवित है जो गुणवान है और पुण्यवान है. लेकिन जिसके पास धर्म और गुण नहीं उसे क्या शुभ कामना दी जा सकती है.

He should be considered to be living who is virtuous and pious, but the life of a man who is destitute of religion and virtues is void of any blessing.

यदि आप दुनिया को एक काम करके जितना चाहते हो तो इन पंधरा को अपने काबू में रखो. इन्हें इधर उधर ना भागने दे.

पांच इन्द्रियों के विषय १. जो दिखाई देता है २. जो सुनाई देता है ३. जिसकी गंध आती है ४. जिसका स्वाद आता है. ५. जिसका स्पर्श होता है.

पांच इन्द्रिय १. आँख २. कान ३. नाक ४. जिह्वा ५. त्वचा

पांच कर्मेन्द्रिय १. हाथ २. पाँव ३. मुँह ४. जननेन्द्रिय ५. गुदा

If you wish to gain control of the world by the performance of a single deed, then keep the following fifteen, which are prone to wander here and there, from getting the upper hand of you: the five sense objects (objects of sight, sound, smell, taste, and touch); the five sense organs (ears, eyes, nose, tongue and skin) and organs of activity (hands, legs, mouth, genitals and anus).

वही पंडित है जो वही बात बोलता है जो प्रसंग के अनुरूप हो. जो अपनी शक्ति के अनुरूप दूसरो की प्रेम से सेवा करता है. जिसे अपने क्रोध की मर्यादा का पता है.

He is a pandit (man of knowledge) who speaks what is suitable to the occasion, who renders loving service according to his ability, and who knows the limits of his anger.

एक ही वस्तु देखने वालो की योग्यता के अनुरूप बिलग बिलग दिखती है. तप करने वाले में वस्तु को देखकर कोई कामना नहीं जागती. लम्पट आदमी को हर वास्तु में स्त्री दिखती है. कुत्ते को हर वस्तु में मांस दिखता है.

One single object (a woman) appears in three different ways: to the man who practices austerity it appears as a corpse, to the sensual it appears as a woman, and to the dogs as a lump of flesh.

जो व्यक्ति बुद्धिमान है वह निम्न लिखित बातें किसी को ना बताये...

वह औषधि उसने कैसे बनायीं जो अच्छा काम कर रही है.

वह परोपकार जो उसने किया.

उसके घर के झगड़े.

उसकी उसके पत्नी के साथ होने वाली व्यक्तिगत बातें.

उसने जो ठीक से न पका हुआ खाना खाया.

जो गालिया उसने सुनी.

A wise man should not divulge the formula of a medicine which he has well prepared; an act of charity which he has performed; domestic conflicts; private affairs with his wife; poorly prepared food he may have been offered; or slang he may have heard.

कोकिल तब तक मौन रहते हैं. जबतक वो मीठा गाने की क़ाबलियत हासिल नहीं कर लेते और सबको आनंद नहीं पहुंचा सकते.

The cuckoos remain silent for a long time (for several seasons) until they are able to sing sweetly (in the Spring) so as to give joy to all.

हम निम्न लिखित बातें प्राप्त करें और उसे कायम रखें.

हमें पुण्य कर्म के जो आशीर्वाद मिलें.

धन, अनाज, वो शब्द जो हमने हमारे अध्यात्मिक गुरु से सुने.

कम पायी जाने वाली दवाइया.

हम ऐसा नहीं करते हैं तो जीना मुश्किल हो जाएगा.

We should secure and keep the following: the blessings of meritorious deeds, wealth, grain, the words of the spiritual master, and rare medicines. Otherwise life becomes impossible.

कुसंग का त्याग करें और संत जानों से मेलजोल बढ़ाएं. दिन और रात गुणों का संपादन करें. उसपर हमेशा चिंतन करें जो शाश्वत है और जो अनित्य है उसे भूल जाए.

Eschew (Avoid) wicked company and associate with saintly persons. Acquire virtue day and night, and always meditate on that which is eternal forgetting that which is temporary.

तेरहवां अध्याय

पन्द्रहवां अध्याय

To read the translation of all the chapters of Chanakya Neeti In Hindi you can navigate to the following link which has the compilation of all the chapters in Hindi.

❶ सम्पूर्ण चाणक्य नीति [हिंदी में] | Complete Chanakya Neeti In Hindi

Note: Some thoughts of Chanakya may be offensive to women, or to Hindus born in so called low caste. I believe in complete equality between man and woman and we detest the

Hindu caste system. We have decided to publish his thoughts exactly as written by Acharya Chanakya. We apologize to women, and to anyone else, who may be offended.

Categories: Chanakya Neeti 55 Chanakya Quotes 52 Great Quotations 140 Hindi Quotes 128
आचार्य चाणक्य 21 चाणक्य नीति 21 चाणक्य सूत्र 23

Next

Previous

दलाई लामा के अनमोल विचार | Hindi Quotes | Hindi Thoughts | Hindi Quotations |
(http://www.hindisahityadarpan.in/2011/12/dalai-lama-quotes-in-hindi-hindi-quotes.html)

चाणक्य नीति [हिंदी में] : तेरहवां अध्याय | Chanakya Neeti [In Hindi]: Thirteenth Chapter
(http://www.hindisahityadarpan.in/2011/12/chanakya-neeti-chapter-13.html)

POST A COMMENT



ALKASHRYA

1/30/2012 11:10 AM

foolow

Reply

आपकी टिप्पणियाँ एवं प्रतिक्रियाएँ हमारा उत्साह बढ़ाती हैं और हमें बेहतर होने में मदद करती हैं !! अपनी प्रतिक्रियाएँ हमें बेझिझक दें !!

😊 Emoticon

Enter your comment...

Comment as:

Unknown (Google) ▼

Sign out

Publish

Preview

☐ Notify me

